प्रेस विज्ञप्ति 15 अक्टूबर, 2018

मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं नौघड़ा कपड़ा कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित महानाट्य की प्रष्ठभूमि पर परिचर्चा दिनांक 15 अक्टूबर, 2018 को सायं 04:00 बजे मर्चेंट्स चैम्बर के डॉ. गौर हरी सिंघानिया सभाकक्ष में आयोजित की गई।

मर्चेंट्स चैम्बर के अध्यक्ष श्री बी.एम. गर्ग, ने शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित *"महानाट्य की प्रष्ठभूमि पर परिचर्चा में"* मंचासीन मुख्य अतिथि श्री अनिल जी ओक, श्री वीरेन्द्र जीत सिंह, सभाकक्ष में उपस्थित समस्त सदस्यगण तथा मीडिया कर्मियों का स्वागत किया। श्री गर्ग ने कहा कि हमारे स्नेही मुख्य-अतिथि श्री अनिल ओक जी, महाराज शिवाजी के जीवन पर आधारित महानाट्य के सन्दर्भ में चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम यह आशा करते है कि आये हुए समस्त बंधुजनों का मार्गदर्शन होगा तथा हम सभी वीर शिवाजी महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का प्रयास करेंगे जो स्वर्ण भारत का निर्माण करने में सहायक होगी।

नौघड़ा कपड़ा कमेटी की ओर से श्री शेष नारायण त्रिवेदी ने श्री अनिल ओक जी तथा आये हुए समस्त सदस्यों का विस्तित परिचय दिया एवं श्री ओक जी से सभी को अवगत कराया।

डॉ. उमेश पालीवाल, ने मुख्य अतिथि श्री अनिल ओक जी के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हए कहा कि वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी है जिन्होंने अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत बैंक में नौकरी से किया तत्पश्चात त्यागपत्र देकर अपना जीवन देश के नाम पर व् सार्थक बनाने में समर्पित कर दिया।

मुख्य अतिथि श्री अनिल जी ओक ने अपने वक्तव्य की शुरुआत वीर शिवा जी के जन्म से करते हुए कहा कि महाराज शिवा जी की माता का नाम जीजाबाई तथा पिता का नाम शाहजी था। मात्र चौदह-पंद्रह वर्ष की आयु में शिवाजी ने स्वराज्य के लिए शपथ ले लिया था। शिवाजी राजे भोसले को शिवाजी बनाने में उनकी माता जीजाबाई का अविस्मर्णीय योगदान, त्याग, तपस्या, कर्तव्यनिष्ठा, तथा द्रढ-निश्चय था। शिवाजी के जीवन की अनेक गाथाओं का विस्तृत वर्णन करते हुए श्री ओक ने उनकी विशेषताओं जैसे कुशल प्रशासक तथा रणनीतिकार, उनकी आस्था व् विश्वास, उदार पंथनिरपेक्ष शासक, गुप्तचर प्रणाली, प्रशासनिक कुशलता, साम्राज्य तथा आर्थिक उन्नति, पर्यावरणविद, न्यायपूर्ण शासक, भारतीय नौसेना के जनक एवं तकनीकविद, तथा निष्काम समर्पण आदि का वर्णन किया। श्री ओक ने शिवाजी के जीवन का अत्यंत सजीव चित्रण पद्य-विधा के माध्यम से किया। श्री ओक ने कहा कि ऐसे महापुरुषों के लिए वास्तव में समय कम पड़ जाता है लेकिन यही कहा जा सकता है, *"तन-समर्पित, मन-समर्पित, चाहता हूँ देश तुझको और भी कुछ दूँ.....!!"* उन्होंने कहा कि किसी देश को ज़िंदा रखने के लिए उस देश का इतिहास ज़िंदा रहना अत्यंत आवश्यक है।

श्री ओक ने बताया कि (दिनांक 20 से 25 अक्टूबर, 2018 तक) आयोजित किए जाने वाले भव्य मंचन में 250 कलाकार, (लगभग) 60 फीट उंचा तथा 3D (घूमता हुआ) मंच जिसको (शिवाजी के) चित्रण के अनुसार नाटक की समयावधि में बदलाव किया जा सकता है और लाइट एवं साउंड का अद्भुद मिश्रण देखने को मिलेगा।

परिचर्चा का संचालन मर्चेंट्स चैम्बर के सचिव श्री महेंद्र मोदी ने किया।

परिचर्चा के अन्त में धन्यवाद-प्रस्ताव डॉ. जे.एन. गुप्ता, ने दिया दिया एवं कहा कि श्री ओक जी द्वारा महाराज शिवाजी की चरित्र-चित्रण अत्यंत प्रभावी था जिसने हम सभी को शिवाजी के जीवन्त होने का अहसास कराया।

सत्र में श्री बी.के. श्रिया, डॉ. श्याम बाबू गुप्ता, श्री एस.एन. त्रिवेदी, श्री एस.बी. मिश्रा, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश एवं नौघड़ा कपड़ा कमेटी के सदस्यगण उपस्थित थे।

सधन्यवाद